Analytic Method

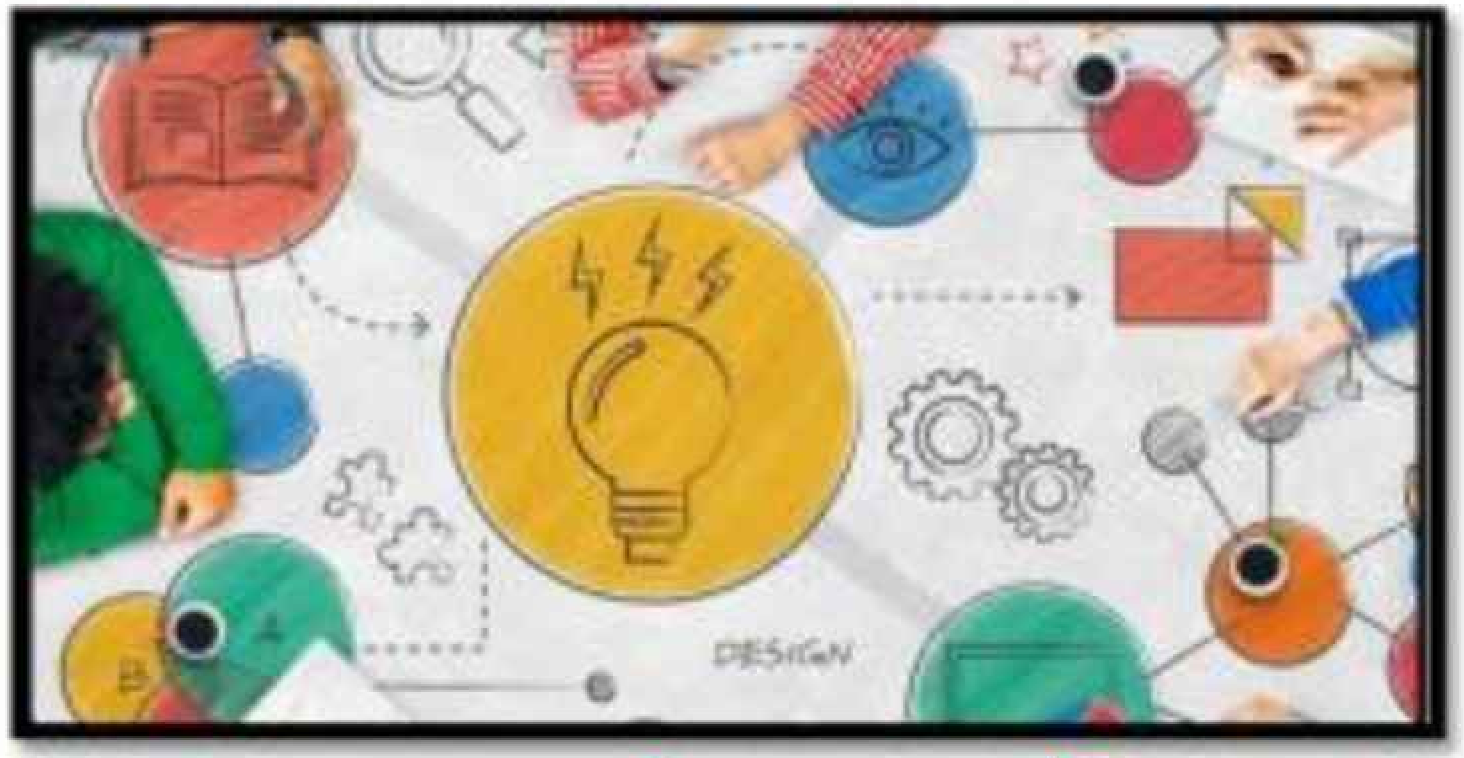

विश्लेषण विधि (Analysis method) इस विधि में समस्या को छोटे–छोटे भागों में बाँट कर उनका अध्ययन व समीक्षा करते हुए उसे हल किया जाता है।

→ Whole to Part (सम्पूर्ण से अंश)

→ अज्ञात से ज्ञात (Unknown से Known)

→ कारणों से विश्लेषण

$2x+y=8$

Synthetic Method

संश्लेषणात्मक

संश्लेषण विधि (Synthesis method) :– विश्लेषण तथा संश्लेषण विधि एक दूसरे के पूरक होती है। विश्लेषण कर लेने के पश्चात की संश्लेषण का कार्य होता है। इस विधि में किसी समस्या के छोटे–छोटे भागों को जोड़ते हुए समस्या का हल किया जाता है।

→ Part to whole

अंश से पूर्ण ✓

→ ज्ञात से अज्ञात

Known to Unknown

प्र० 3 बालिका गणित का सवाल लगाते हुए उसे छोटे-2 भागों में विभाजित करती है। विश्लेषणात्मक (Analytical)

→ किस विधि में आगमनात्मक चिंतन विकसित होता → विश्लेषणात्मक (Analytical)

→ संश्लेषण (Synthesis)

Rule to Example → निगमनात्मक (Deductive)

संश्लेषणात्मक

उदाहरण

$$2+3=5$$

अज्ञात

$$(2+3)\times 4 = ?$$

$2+3=$

$3\times 4=$

Top-Down

- अधोमुखी (टॉप-डाउन) प्रक्रिया-
- शिक्षार्थी भाषा के अर्थ को समझने के लिए पृष्ठभूमि या पिछले ज्ञान का उपयोग करता है।
- भाषा को समग्र रूप से देखना
- शब्द के वजाय अर्थ पर ध्यान केंद्रित
- करता है।
- उदाहरण :- क्लोज़ परीक्षण, एक्स्ट्रापोलेटिव प्रश्न (किसी के स्थान पर स्वयं को रखना), अनुमान लगाना

- वाक्य
- वर्ण
- अक्षर
- ध्वनि

Bottom- Up Approach

ऊर्ध्वगामी उपागम (बॉटम अप)-
यह प्रक्रिया एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाती है।

वाक्य को अलग-अलग अर्थों या व्याकरण संबंधी विशेषताओं को देखकर भाषा को समझने की कोशिश करता है,

उदाहरण :- श्रुतल्ख, वहुविकल्पीय प्रश्न

- ध्वनि
- अक्षर
- वर्ण
- वाक्य

Jim Cummings

निर्माता

BICS | **CALP**

Basic Interpersonal Communication Skills → दिनचर्या में इस्तेमाल

बुनियादी पारस्परिक संचार कौशल

→ मूर्त (concrete)

→ Ex सब्जी वाला

↳ छोटे स्तर पर

↳ सहज तरीके से भाषा को सीखना

→ परिवार / पड़ोस

→ अनौपचारिक (Informal)

Cognitive Academic Language Proficiency संज्ञानात्मक शैक्षणिक भाषा प्रवीणता

BICS विधि → छोटे बच्चों के द्वारा इसका इस्तेमाल किया जाता है

Basic Interpersonal Communication Skill → अनौपचारिक (Informal) रूप से किया जाता है

(बुनियादी पारस्परिक सम्प्रेषण कौशल) → इस विधि के द्वारा

बालक आमतौर पर घर / परिवार / पड़ोसियों से सहज तरीके से करता है।

- यह मूर्त (concrete) होती है। उदाहरण - सब्जी वाले से दैनिक बातचीत करना।

CALP → Proficiency निपुणता

Cognitive — Academic — Linguistic

संज्ञानात्मक — शैक्षणिक — भाषा

⇓

व्याकरण

↓

पढ़ाई लिखाई

→ अमूर्त (Abstract thinking)

↓

औपचारिक (formal) रूप से बातचीत करना

Example - स्कूल के नोटस बनाना....

→ NCERT / पाठ्यचर्या

→ Meeting / रिपोर्ट

भाषा विकास के संदर्भ में BICS का क्या अर्थ है?

एक। बुनियादी सहज संचार प्रणाली

बी. बुनियादी पारस्परिक संचार कौशल

सी. बुनियादी इंटरैक्टिव संचार रणनीतियाँ

डी। बुनियादी आंतरिक संज्ञानात्मक संरचनाएँ

H.E Armstrong

Heuristic Method

अवेषण विधि / खोज विधि

एचई आर्मस्ट्रांग द्वारा दिया गया

पोलेन और डैंकर ने इस विधि को समस्या समाधान विधि कहा है

एक वैज्ञानिक तरीका (scientific)

एक त्वरित तरीका

Accelerated Method

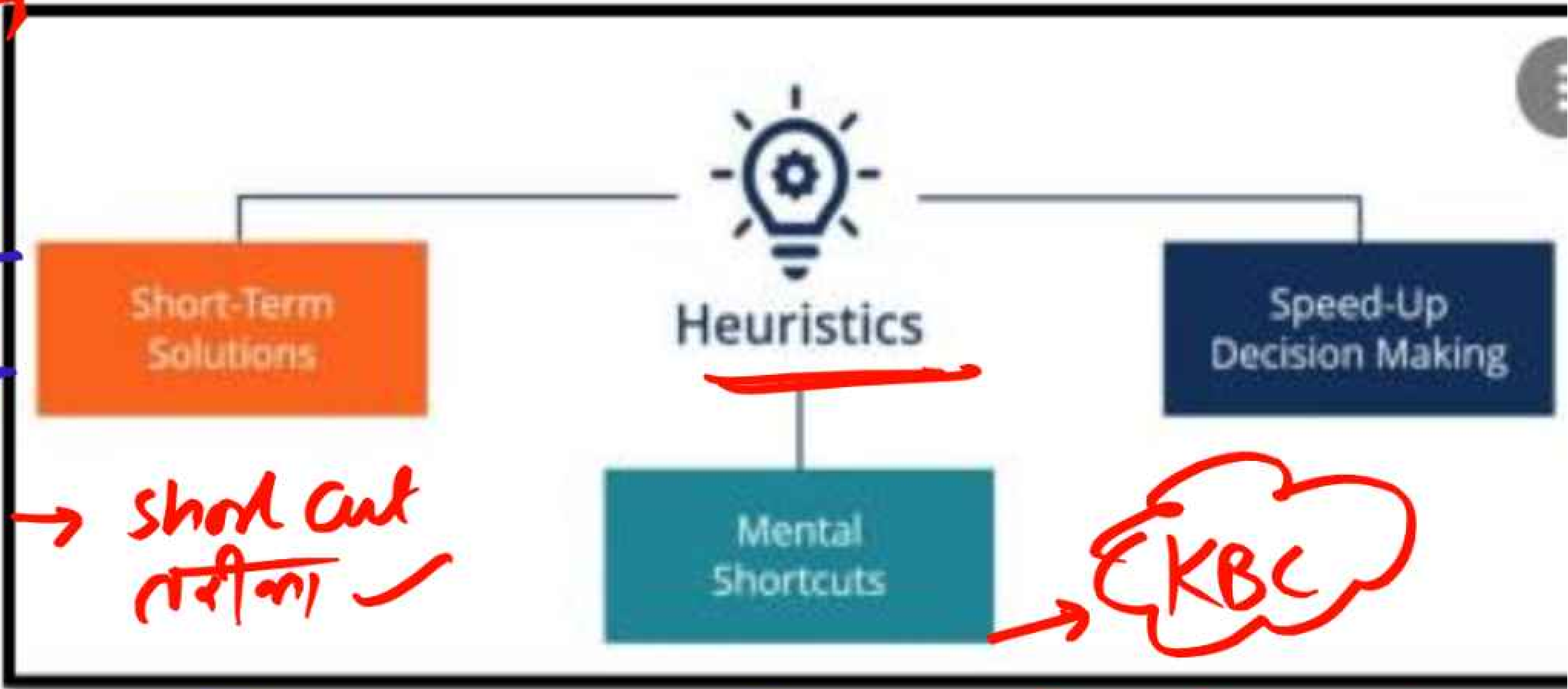

Short cut तरीका

KBC

— Quick Method

Ex Quiz Competition, Olympiad

MCQ

जिस विधि में Mental Short Cut का इस्तेमाल किया जाता है. → अन्वेषण (Heuristic Method)

कौन सी विधि समस्या का उत्तर से जल्द निवारण करती है,

Heuristic

एच. ई. आर्मस्ट्रांग।

Discussion Method

विचार–विमर्श विधि — बाल केन्द्रित

शिक्षण की एक चर्चा पद्धति प्रतिभाशाली छात्र की खोज करने वाली एक लोकतांत्रिक पद्धति है

(बालक अभिव्यक्ति (opinion) कर पाता है,

टीम भावना का विकास करना

कई व्यक्तियों के ज्ञान, विचारों और भावनाओं का पूलिंग

ओपन एंडेड प्रश्नों पर ध्यान दें

→ रचनात्मक

(अगर Mobile phone नहीं होता तो क्या होता)

शिक्षक केंद्रित

Demonstration Method/प्रदर्शन विधि

अध्यापक - सक्रिय (Active)
बालक - निष्क्रिय (Inactive)

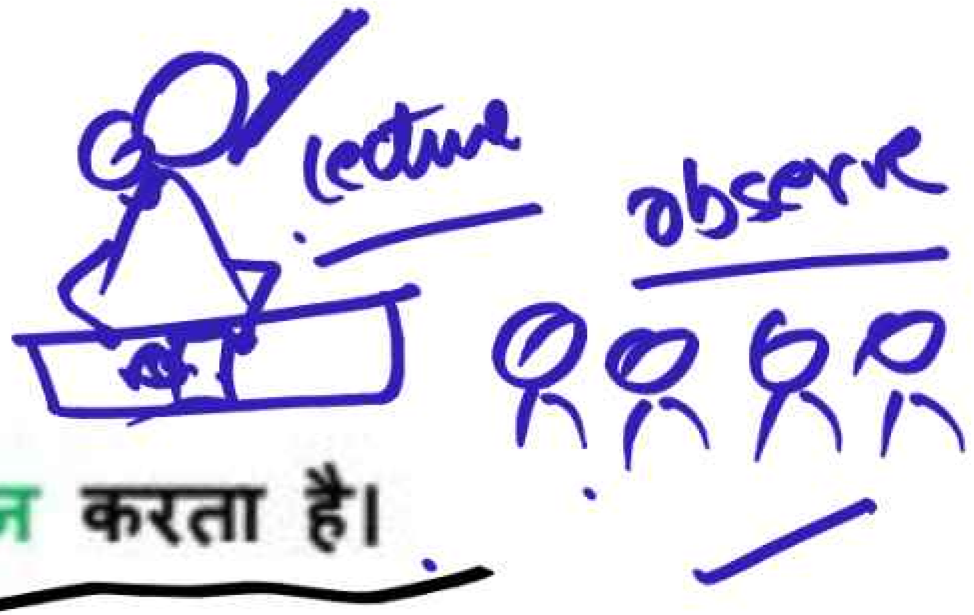

- कई इंद्रियों को सक्रिय करता है- सीखने का बेहतर अवसर प्रदान करता है।
- विकसित करने के अवसर प्रदान करता है अवलोकन कौशल.
- का प्रदर्शन करके अंतर्निहित सिद्धांतों को स्पष्ट करता है "क्यों" एक कदम/प्रक्रिया का।
- ठोस चित्रण के उपयोग से रुचि जगाता है।
- अभ्यास के साथ सिद्धांत को सहसंबंधित करने में मदद करता है।
- प्रदर्शन को शिक्षण की एक विधि के रूप में परिभाषित किया गया है प्रदर्शनी और व्याख्या

Role Play Method

जेएल मोरेनो

- नेतृत्व, साक्षात्कार और सामाजिक संपर्क में कौशल विकसित करता है, छात्र को खुद को दूसरे के स्थान पर रखने और दूसरे की भावनाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होने का अवसर प्रदान करता है।
- समूह समस्या-समाधान में कौशल विकसित करता है।
- यह छात्र को महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान करने और तटस्थ समझौते पर आने में मदद करता है।
- स्थितियों का निरीक्षण और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करता है, उदाहरण के लिए, माताओं द्वारा बच्चों को टीकाकरण के लिए नहीं लाने की समस्या, डायरिया से पीड़ित बच्चे की देखभाल आदि।
- गलती करने के तनाव के बिना छात्र को वास्तविक जीवन की स्थिति में चयनित व्यवहार का